स्टर्लिंग एंड विल्सन ने किया सुरंग के लिए विद्युतीकरण पूरा

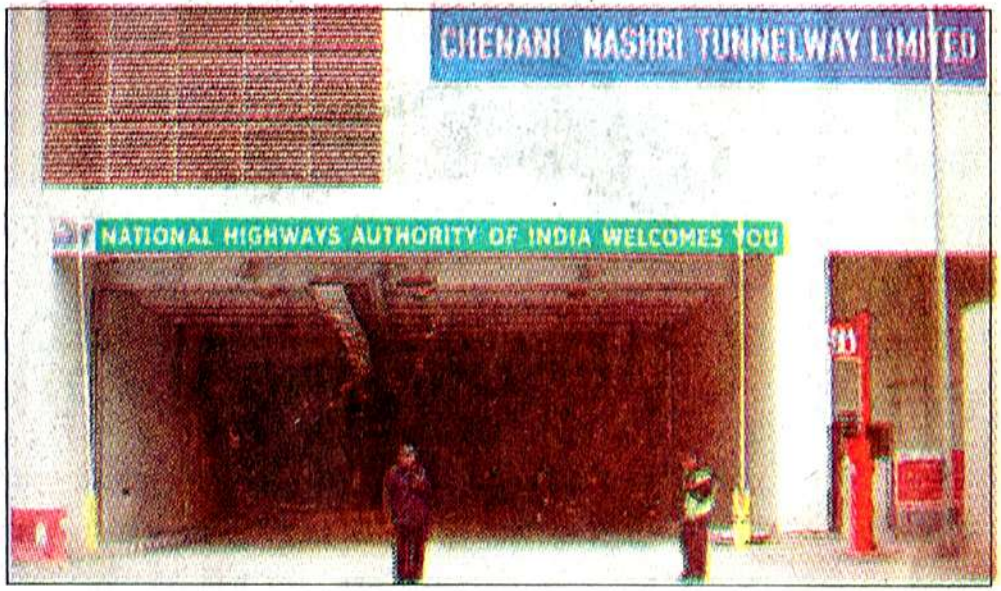

जगमगाती नाशरी-चनैनी सुरंग का एक दृश्य।

जम्मू, 3 अप्रैल (सूरी) : भारत की सर्वाधिक नौ कि.मी. लंबी सुरंग चिनैनी-नाशरी अथवा पत्नीटॉप सुरंग का उद्घाटन होने के साथ स्टर्लिंग एंड विल्सन ने आधारभूत संरचना परियोजनाओं के लिए विद्युतीकरण एवं सब-स्टेशन में अग्रवर्ती परिमाण, प्रौद्योगिकी एवं विशेषज्ञ पेश करते हुए विद्युत ई.पी.सी के क्षेत्र में एक विश्वसनीय एवं सक्षम भागीदार होने की हासिल अपनी प्रतिष्ठा की दोबारा पुष्टि की है। बनाई गई सुरंग आई.एल एंड एफ.एस. ट्रांसपोर्टेशन नैटवर्क्स लिमिटेड (आई.टी.एन.एल.) की ओर से विकसित की गई है। वैश्विक तौर पर विद्यमान एक ई.पी.सी. कंपनी, स्टर्लिंग एंड विल्सन, विलक्षण शापूरजी पल्लोनजी समूह का एक हिस्सा है तथा एन.एच-1ए खंड के आर-पार चिनैनी से नाशरी को जोड़ने वाली चार लेन वाली सुरंग के 11 के.वी सब-स्टेशन, वितरण एवं सहायक कार्यों के डिजाइन, निर्माण तथा टर्न की सॉल्यूशंस में घनिष्ठ रूप से संबद्ध है। इस सुरंग के खुलने से जम्मू एवं कश्मीर के 1.22 करोड़ लोगों के जीवन के सुखद होने की उम्मीद है। इससे कश्मीर बाकी के देश के और निकट आएगा। बताई गई परियोजना एक इंजीनियरिंग चमत्कार है, इसे राष्ट्रीय परिसंपत्ति के तौर पर मान्यता दी गई है। स्टर्लिंग एंड विल्सन ने संचार, विद्युत आपूर्ति, घटना संसूचन, एस.ओ.एस कॉल बॉक्स एवं अग्निशमन जैसी पूर्ण-एकीकृत नियंत्रण प्रणालियों के लिए विद्युतीकरण एवं केबलिंग पूरी की है। कंपनी ने दो स्तरीय प्रकाश प्रणाली डिजाइन और प्रतिष्ठापित की है, जोकि वायु-संचालन प्रणालियों के लिए परिवर्तनशील आवृत्ति के लिए प्रावधान के साथ वर्ष के सभी 365 दिनों में चौबीसों घंटों चलित रहेगी। इस अवसर पर विचार पेश करते हुए स्टर्लिंग एंड विल्सन के प्रेसीडेंट बिकेश ओगरा ने कहा कि इस परियोजना का हिस्सा बनना वाकई प्रतिष्ठा और विशेषाधिकार है। आईएलएंडएफएस के मूल्यवान समर्थन तथा हमारे इंजीनियरों के अथक प्रयासों जिन्होंने तमाम कठिनाइयों का बहादुरी से सामना करते हुए यह सुनिश्चित किया कि यह सुरंग वर्ष के सभी 365 दिनों में सुरक्षा विशेषताओं की स्थिति के साथ 2437 प्रकाशवान रहे। परियोजना के सफलतापूर्वक पूरा करने ने भारत और विदेश में हमारी ख्याति तथा प्रदर्शनों की सूची में वृद्धि की है।